हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 28 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बसगढ़ी नर्मदा घाट में 151 दीपों से सजी भव्य महाआरती, जल संरक्षण का दिया संदेश

मण्डला। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विकासखंड निवास अंतर्गत नर्मदा तट बसगढ़ी घाट में 151 दीप प्रज्वलित कर भव्य महाआरती एवं जल संरक्षण जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर प्रदेशभर में संचालित "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत यह आयोजन किया गया। अभियान 19 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण जल संरक्षण, ऐतिहासिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, नदी संरक्षण, हरित विकास एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर विकासखंड निवास के विभिन्न ग्रामों में जल स्त्रोत पूजन, कलश यात्रा, जल संरक्षण की शपथ, चौपाल एवं स्वच्छता श्रमदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत हिरनाछापर के पोषक ग्राम बसगढ़ी स्थित नर्मदा घाट में गंगा पूजन, कलश पूजन, चौपाल एवं 151 दीपों से महाआरती की गई। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष मंजू कुलस्ते, जनपद सदस्य रॉबिनधर बडगैयां, सरपंच सुखवरीया बाई, अनेक जनप्रतिनिधि एवं जनपद पंचायत निवास की सीईओ श्रद्धा सोनी, जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक सूरज बर्मन सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण एवं नदियों की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

एमपीपीएससी मुख्य परीक्षा 2026 के लिए निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग

मण्डला। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग जिला मंडला द्वारा जानकारी दी गई है कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्रारंभिक परीक्षा 2026 में सफल हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह कोचिंग मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र, रामपुर चौक, जबलपुर में आयोजित होगी।

संभागायुक्त के निर्देश पेयजल आपूर्ति की दैनिक करें मॉनिटरिंग

संभागायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से ली बैठक

*** जल संरक्षण के कार्यों को दें प्राथमिकता।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों से शासन के कार्यक्रमों एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पेयजल, वन अधिकार पट्टा, गेहूं पंजीयन एवं उपार्जन की दैनिक प्रगति, परिवहन, भंडारण व भुगतान तथा उपार्जन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी पेयजल को प्राथमिकता रखते हुए कार्य करें और सुधार योग्य हेंडपम्पों को सुधारें। पेयजल सुनिश्चितता की कलेक्टर दैनिक आधार पर समीक्षा करें। उन्होंने एकल नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की। संभागायुक्त ने वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत मान्य और अमान्य दावे तथा लंबित दावे के बारे में जानकारी लेकर विस्तृत समीक्षा की। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिलों की विभागवार रैंकिंग एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य अनुरूप जल संवर्धन कार्यों/गतिविधियों की नियमित सघन मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत फार्म पॉण्ड, डगवेल रिचार्ज एवं अमृत सरोवर आदि के अपूर्ण कार्यों एवं कृषि विभाग के बलराम तालाबों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य विभागों के अधिकारियों से भी कहा कि रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की दिशा में शासन के मंशानुरूप कार्य करें। गेहूं उपार्जन समय-सीमा में पूर्ण करने के साथ ही कृषि अवसंरचना निधि योजना अंतर्गत कृषि वर्ष 2026-27 के लिए आवंटित लक्ष्य की समीक्षा की। साथ ही संभाग में खाद की उपलब्धता व वितरण की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य व पोषण के संबंध में विभागीय अधिकारियों से कहा कि गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन समय पर अनिवार्यतः किया जाये तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

संभागायुक्त श्री सिंह ने राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों की जानकारी लेकर कहा कि सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा तथा अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करें। कलेक्टर प्रकरणों के निराकरण के लिए तहसीलदार व एसडीएम कोर्ट का निरीक्षण करें। वीसी के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का गहनता से परीक्षण कर तत्परता से समुचित निराकरण करावें। इसके साथ ही सीपी ग्राम, सीएम व सीएस मॉनिट तथा लंबित प्रकरणों के संबंध में जिलेवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन, नजूल नवीनीकरण और लोक सेवा गारंटी अंतर्गत समय-सीमा से बाह्य लंबित आवेदनों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मंडला एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इस संसार में सब मिल जाएगा, लेकिन मां पिता और भाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन ग्राम निवसा में राजेंद्र राजपूत, रोहन सिंह, मोहन सिंह के निवास में पितरों की शांति एवं मोक्ष हेतु श्रीमद् भागवत कथा पुराण का भव्य आयोजन चल रहा है, श्री भागवत आचार्य पुराण वाचक मनीषी मिथिलेश मिश्रा जी के मुखारविंद से सरस वाणी में मानव जीवन के आदर्श आचरण सचरित्र जीवन शैली बच्चों को कैसे संस्कार दें इस विषय पर बहुत ही सुंदर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। विगत दिवसों से चल रही श्री मद भागवत जी के द्वितीय दिवस में कथा के माध्यम से कथावाचक आचार्य मिथलेश मिश्रा जी ने बताया कि जब तक मां पिताजी हे, भाई से संसार में सब हे,जिस दिन मां इस दुनिया से विदा लेती है उस दिन संतान का भोजन चला जाता, केवल मां ही एक ऐसी हे जो बच्चों के भोजन का ध्यान रखती है, ओर पिता के जाने से संसार में कही उजाला नहीं रहता इसलिए कथा के माध्यम से आचार्य ने माता पिता को भगवान स्वरूप बताया, अगर संसार में चलता फिरता अगर देवता हे तो माता पिता है, माता पिता की सेवा को लेकर व्याख्यान किया तो पूरे पंडाल की आंखें नम हो गई और साथ ही सात महाराज श्री ने कहा जीवन में कैसी भी स्थिति आ जाए तो परिवार नहीं टूटना चाहिए. परिवार की अहमियत बताते हुये कहा की जब तक परिवार में एकता हे तो सब हे जिस दिन परिवार की एकता का बंद खुला तो परिवार कचरा हो जाता है साथ ही महाराज जी ने कल की कथा में भक्ति ज्ञान वैराग्य की कथा कैसे ज्ञान वैराग का बुढ़ापा दूर हुआ ओर साथ ही बताया कि कैसे प्रेत की मुक्ति भागवत जी से हुई और बताया कि जीवन में पाप भी करे कथा को समझते हुए महाराज ने बताया जीवन दगा धोखा और जुआ शराब से दूर रहने की अपील की कहा कि यह शरीर भगवान का अंश है ईश्वर अंश जीव अविनाशी जब इस शरीर में परमात्मा को विराजमान कर लिया तो आसान व्यसन की कोई जरूरत नहीं क्योंकि जहां काम का बसेरा हो जाए वहां राम नहीं रह सकता जहां राम आ जाय बहा काम नहीं रहता कथा के माध्यम से महाराज जी ने बार-बार निवेदन किया नशा से दूर रहे और साथ ही धुंधकारी उपाख्यान श्रोता वक्त के के लक्षण एवं नियम और साथी श्री सुखदेव की जन्म कथा नारद जी के तीन जनों की कथा समस्त भक्तों को श्रवण कराया, कथा के दौरान भक्तगण भाव विभोर देखे गए।

कर्मचारी कल्याण कोष के प्रकरणों में सीएमएचओ का अभिमत लें-कलेक्टर

*** जिला स्तरीय सहकारी समिति की बैठक में निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय सहकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के प्रशासक कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि मौजूदा खरीफ सीजन को देखते हुए प्राईमरी सेक्टर के ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता दें। कर्मचारी कल्याण कोष के प्रकरणों के संबंध में समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि सभी प्रकरणों में संलग्न मेडीकल दस्तावेज एवं दवाओं के देयकों के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का लिखित अभिमत प्राप्त करते हुए ही प्रकरण प्रस्तुत किए जाएं। सहकारी बैंकों के लिए कम्प्यूटर सहित अन्य सामग्रियों के क्रय के संबंध में समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि निविदा की शर्तें तय करने से पूर्व जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस के साथ समन्वय करते हुए कम्प्यूटर्स के स्पेसिफिकेशन तय करें। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने सहकारी बैंक के सीआरआर, सीडी रेशो, एसएलआर, सकल एनपीए, शाखाओं के किराए, प्रोसेस सर्वेयर की नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही एआरसीएस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जित गेहूँ का आगामी 7 दिवस में शतप्रतिशत परिवहन करना सुनिश्चित करें। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री शैलेन्द्र चौधरी सहित एआरसीएस तथा सहकारिता के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर परिषद बिछिया में गंगा दशहरा पर जल गंगा संवर्धन अभियान का सफल समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद भुआ बिछिया क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 14 श्रीराम मंदिर के समीप एनीकट में आज कार्यक्रम की शुरूआत विधिविधान से मां गंगा की पूजा अर्चना के साथ गंगा आरती, कलश यात्रा निकाली गई गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशहरा के पावन पर्व पर हिन्दु संस्कृति के अनुसार गंगा दशहरा का पर्व पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन माँ गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थी और प्रकृति एवं जन-जीवन को धन्य किया था। इस वर्ष गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए जन-जन को जोड़ा गया जिसके तहत श्रमदान से होगा जल संरचनाओं का पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन किया गया। श्रमदान तथा मशीन, ईंधन और परिवहन जैसे संसाधनों के सहयोग से कुओं, नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार कराया गया। इसके साथ ही घाटों की स्वच्छता सुनिश्चित की गई और बंद पड़े पुराने बोरवेल और ट्यूबवेल के पास रिचार्ज पिट का निर्माण कराया गया जिससे भूजल स्तर सुधारने में मदद मिल सके इस अभियान के तहत विविध कार्य निकाय क्षेत्रांतर्गत किये गये हैं उक्त कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि शशिकांत श्रीवास्तव, अजयपुरी गोस्वामी, त्रिवेणी तेकाम, नारायणी साहू, पुरूषोत्तम शुक्ला, कर्मचारियों में नोडल अधिकारी अशोक यादव, सह नोडल अधिकारी अक्षय चौधरी, नारायण परते, घनश्याम चौहान, मनोज निगम ,अनीता रजक, कौशल्या तेकाम, सचिन यादव, दीपक रजक, अहमद अली, मनोज मोगरें, अजय मर्दे, अशीष नंदा राजेन्द्र पाण्डेय, सुषमा यादव, पूर्णिया पटेल दीपिका मारूवंश एवं समस्त कर्मचारी एवं नागरिकगण उपस्थित रहें।

प्रदर्शन | **बिजली विभाग की शवयात्रा निकालकर फूंका पुतला।**

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

*** सुधारकार्य के नाम पर बिजली कटौती के आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विधायक चैन सिंह वरकड़े की मौजूदगी में मंगलवार को मंडला जिले में अघोषित बिजली कटौती के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली समस्या और बढ़ती गर्मी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोला।

कांग्रेस कार्यालय से कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली। करीब एक किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए प्रदर्शनकारी बिजली विभाग कार्यालय पहुंचे, जहां विभाग का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मेंटेनेंस के नाम पर लगातार अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। उनका कहना था कि शिकायतों के बावजूद विभागीय अधिकारी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा रहे हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि बिजली व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

वहीं, बिजली विभाग के अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के चलते बिजली की मांग बढ़ गई है। एसी और कूलर के अधिक उपयोग से कई क्षेत्रों में लोड बढ़ने के कारण फॉल्ट की स्थिति बन रही है। फॉल्ट सुधार और मेंटेनेंस कार्य के दौरान कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

प्रदर्शन में डॉ. अशोक मर्सकोले, राकेश तिवारी, रजनीश रंजन उसराठे और अभिनव चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी की बिछिया विधानसभा बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

दिनांक 26 मई 2026 को बिछिया में आम आदमी पार्टी मंडला की बिछिया विधानसभा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में दिल्ली से आए मध्यप्रदेश सहप्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विधानसभा स्तर पर संगठन निर्माण एवं बूथ स्तर पर संगठन को पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार की गई। साथ ही आगामी पंचायत और निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन से लेकर विधानसभा चुनावों की रणनीति तैयार की गई। इतनी गर्मी में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर लग रहा है कि यह परिवर्तन का समय है। ग्रामीण क्षेत्रों से अपना संसाधन खर्च कर इतनी भारी संख्या में पहुंचकर सभा को गंभीरता से लेकर ,पार्टी के लिए समर्पण दिखाता है। लोगो ने संकल्प लिया है कि जिस प्रकार आम आदमी पार्टी मंडला की टीम जिला अध्यक्ष पंकज सोनी के नेतृत्व में गाँव गांव तक पहुंच रही है। उसी प्रकार हम भी अपने अपने क्षेत्रों में पार्टी को बढ़ाने का कार्य करेंगे।

इस दौरान प्रदेश सहप्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत (धामू), सहयोगी अविनाश चौधरी, जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष यशवंत जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष धीरज पनरिया, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला अध्यक्ष (बौद्धिक प्रकोष्ठ) अशोक पांडे, जिला अध्यक्ष (यूथ) आदित्य पटेल, जिला उपाध्यक्ष (यूथ) तरुण बघेल, जिला अध्यक्ष (लीगल) मुकेश तुमराली,जिला उपाध्यक्ष (लीगल विंग) जागेश यादव, जिला सहसचिव पुष्पराज मरावी, जिला मीडिया प्रभारी आशीष वैष्णव, ब्लॉक अध्यक्ष विशाल कटारिया, जगन्नाथ धारवैया, सतीश धुर्वे, संतराम मरावी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ग्राम ज्वारावासी शिवजी की आराधना में डूबने से शिवमय हुआ क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वैसे तो चल रही अधिमास के दौरान चारो ओर धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई देखने मिल रही है। इसी के चलते समीपस्थ ग्राम ज्वारा में चल रहे पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर शिवकथा का आयोजन किया गया। इस कथा का शुभारंभ कलश यात्रा से हुआ यात्रा ग्राम में भ्रमण करती हुई कथा स्थल पर संपन्न हुई। वही आयोजन के चलते प्रतिदिन कथास्थल पर पूज्य रविशंकर महाराज ने भगवान शिवजी की कथा सुनाते हुए कहा कि श्री शिव महापुराण और शिव कथा का सनातन धर्म में बहुत बड़ा महत्व है। 'शिव' शब्द का अर्थ ही 'कल्याण' है। शिव कथा सिखाती है कि भगवान शिव अत्यंत भोले हैं और वे केवल एक लोटा जल या बेलपत्र से भी प्रसन्न होकर अपने भक्तों का कल्याण कर देते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिव मूल रूप से निराकार हैं, जो भक्तों के आनंद के लिए साकार रूप धारण करते हैं। समुद्र मंथन के दौरान जब सृष्टि को बचाने के लिए हलाहल विष निकला, तो शिवजी ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। उनका यह कार्य हमें सिखाता है कि समाज और परिवार के कल्याण के लिए कभी-कभी हमें भी कड़वी बातों या विष रूपी परिस्थितियों को अपने अंदर पचाना पड़ता है। कथा में आगे कहा कि शिव और शक्ति का संबंध यह दिखाता है कि प्रकृति और पुरुष एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। इस दौरान उन्होंने कथा में बताया कि शिव कथा को केवल श्रद्धा पूर्वक सुनने, उनका कीर्तन करने और ध्यान करने से ही मनुष्य के सभी पापों, कष्टों और अज्ञानता का नाश हो जाता है और अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है। उल्लेखनीय है कि पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ कथा का समापन हुआ।

किसानों को सिंचाई के लिये मिल रही महज चंद घंटे बिजली

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस बात से इंकार जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपने बिलों की बसूली न की जावे वह तो बिजली बिलों की बसूली करने में कोई कसर न छोडे मगर किसानों को बिजली भी तो उपलब्ध कराई जावे बगैर बिजली दिये हुये बिलों की बसूली क्या उचित है? क्योंकि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा किसानों से बिलों की बसूली तो लगतार की जा रही है मगर उन्हें मात्र चंद घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने से वह अपनी जिन्दगी कैसे संभाल पायेगे। क्योंकि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कौड़िया, सिहोरा, सडूमर, भौरझिर सहित आसपास के अनेक गांवों के किसानो को सिचाई के लिये महज चंद घंटे बिजली ही नसीब हो रही हे इससे अंदाजा लगाया जा सकता हे की किसान कैसे अपनी फसलो की सिचाई कर पाते होगे इन ग्रामो के किसानो का कहना हे की उनके क्षेत्र की बिजली सफलाई जोड़ी गयी हे जो काफी लम्बी दुरी तय करती है जिसमें आये दिन खराबी होने के कारण बंद होने के बाद सुधार नही हो पाता है। वही बताया गया हे की रात में बमुश्किल चंद घंटे ही सिचाई के लिये बिजली मिल पाती हे जिससे खेत की एक शिफ्ट भी पूरी तरह से सिचाई नही हो पाती है जिसके चलते खेतो में खड़ी हुई मूंग फसल खराब होने से नही बच पा रही है। यहां के अनेक किसानो ने अपनी जानकारी में बताया की दिन में भी इसी तरह के हालात बनते है कि दिन के समय अधिकतर बिजली की कटोती कही मेन्टेनेस के नाम पर तो कही लाइन खराब होने का बहाना बनाकर काटी जाती है। क्योकि इस समय देखा जावे तो किसानों के खेतो में जहां मूंग फसल लगी हुई तो अनेक किसानों ने अन्य प्रकार की फसलों की बोनी कर दी गई है जिसे इस समय पड़ रही गर्मी के दौरान सिंचाई की जरूरत है। मगर किसानों को मात्र चंद घंटे ही बिजली उपलब्ध होने से फसले खराब होते हुये नजर आने लगी है। इस तरह अनेक गांवों में बोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के नलकूपों की मोटरे ही नही चल पा रही है अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसान अपने खेतों की सिंचाई कैसे कर पायेगे। जबकि देखा जावे तो बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिल बकाया है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुये उनकी कुर्की करने में कोई कसर नही छोड रहा है।

दुर्दशा की शिकार हो रही क्षेत्र की शिक्षण संस्थाएं स्वच्छता अभियान को लगा है ग्रहण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत का नारा देते हुए संपूर्ण देश को स्वच्छ बनाने की सोच रखी जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की सोच को अमली जामा पहनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भी संपूर्ण प्रदेश को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुए गांव गांव टीमें भेजकर शौचालयों का निर्माण कराने बाद अब स्वचछता सर्वेक्षण की मुहिम शुरू कर दी गई है, जिसके चलते हमारे जिले के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2021-22 में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने के लिए कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, जिसके चलते बीते हुए कुछ माह पूर्व एक टीम द्वारा गांव गांवों पहुंचकर शिक्षण संस्थाओं सहित अन्य स्थलों पर निरीक्षण करने की बात कही गई थी जिसकी सूचना अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले ही मिल जाने के कारण इस टीम के पहुंचने के पूर्व अपनी शिक्षण संस्थाओं के शौचालयों को नई दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इसके बाद उन शौचालयों की क्या सच्चाई बनी हुई है इस बात का अंदाजा ग्रामीण क्षेत्रों में देखकर आसानी से लगाया जा सकता है..? वही दूसरी ओर लगभग चार वर्ष पूर्व शिक्षण संस्थाओं में भी सरकार द्वारा पक्के शौचालयों का निर्माण कराते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा चुके है। मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगातार चलाई जा रही इस स्वच्छता की सत्यता का नजारा क्षेत्र के शाला भवनों में बदहाल हालत में पहुंच रहे शौचालयों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है कि आखिरकार सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर खर्च किये जा रहे पैसा मात्र एक औपचारिकता पूर्ण करते हुये शासन की राशि की होली खेलने के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..? जहां अधिकारियों द्वारा आये दिन स्वच्छता का संदेश देने से नही तो नही चूकते है मगर शिक्षण संस्थाओं में फैल रही गंदगी के ओर किसी भी प्रकार का ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई मात्र कागजों पर चल रहे स्वच्छता अभियान को उजागर करने से नही चूक रहा है। जिसके चलते शिक्षण संस्थाओं की स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने तक ही सीमित होकर रह रहे है। क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि जिसके चलते जब शिक्षण संस्थाओं की शुरूआत होगी तो उनमें बच्चे तो क्या शिक्षकों को पहुंचने में भी परेशानियों का सामना से इंकार नही किया जा सकता है। अभी स्कूलों में अवकाश चलने के कारण इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिया जा रहा है। क्योंकि लगभग पांच साल पहले शासन के आदेश अनुसार शिक्षण संस्था में शौचालय बनबाने का जो आदेश दिया गया था उसे लेकर संबंधित विभाग द्वारा शौचालयों का निर्माण करते हुए उन्हें इतना सुन्दर बनाया गया था कि उसकी कल्पना नही की जा सकती थी। मगर उनकी सच्चाई चंद दिनों बाद ही जिस प्रकार से देखने मिल रही है उसकी भी कल्पना करना भी मुश्किल होने लगा है..? क्योंकि इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बीते हुए वर्षो में बनाये गये शौचालय इस प्रकार की स्थिति में पहुंच चुके है कि उनका छात्र छात्राओं सहित शाला के स्टाफ द्वारा उपयोग करने की बात तो दूर उनकी ओर झांकने से भी दहशत में देखे जाने लगे है। क्योंकि इन शौचालयों को लेकर साफ सफाई के आभाव में जहां उनके अंदर जहरीले कीडे मकोड़ो ने अपना डेरा जमा लिया गया है। वही दूसरी ओर शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि जब जरा सी बारिश होती है तो उनके चारों ओर बारिश का पानी भर जाने के कारण जहां बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में बैठते हुए अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है। जिस प्रकार से शासन से लेकर शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में शौचालय निर्माण कार्यो पर जोर दिया गया था यदि वह जोर शिक्षण संस्थाओं के सुधार कार्य पर दिया गया होता तो निश्चित शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदल गई होती। मगर चंद दिनों के लिए सुन्दर शौचालयों से सजी रहने के बाद बदहाल स्थिति में पहुंची शिक्षण संस्थाओं को लेकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिर में बच्चें अपने स्कूलों में पढ़ाई करने के लिए जाते है सिर्फ शौच करने के लिए नही? क्योंकि भले ही शौचालय बदहाल होते तो काम चल जाता, मगर बच्चों के लिए शिक्षण संस्थाओं की स्थिति में सुधार हो जाता तो उनको लाभ मिलता। क्योंकि पढ़ाई के दौरान चंद बच्चें ही शौचालयों का उपयोग करते है..? जबकि शिक्षण संस्थाएं शौचालय के आलवा जिस तरह अन्य कमियों से जूझती है तो सभी बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके चलते उनकी पढ़ाई पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति के चलते लोगों का कहना है कि शौचालयों की सुन्दरता से अधिक जरूरत शिक्षण संस्थाओं के सुधार में ज्यादा महसूस की जा रही है जहां पर बैठकर बच्चों को अपनी पढ़ाई करना पड़ती है। मगर पता नही क्यों शासन द्वारा इस समय शिक्षण संस्थाओं के सुधार की जगह उनके शौचालयों पर ज्याद ध्यान देने में लगा दिया गया था और लगभग हर स्कूल में शौचालयों के नाम पर खर्च की गई राशि की गफलतबाजी बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हुये यह शौचालय खुद ही अपने आप बताने से नही चूक रहे है जिसके चलते इन शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसी का परिणाम है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षण संस्थाओं स्थिति इनती बदहाल होती हुई देखी जा रही है जहां हर वर्ष सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करने के बाद अनुपयोगी साबित हो रहे है। यह बात अलग है कि शासन के आदेश अनुसार बीते हुये लगभग पांच वर्ष पहले क्षेत्र की हर शिक्षण संस्था में लाखों रूपया खर्च करते हुये शौचालयों का निर्माण कराते हुए उन्हें सुन्दर बना दिया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया चीचली क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

निश्चित जब वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय समय पर अचानक पहुंचते हुये अपने अधिनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया जाता है कि वहां पर कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों में निष्ठा का भाव देखने मिलता जिसके चलते शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नही रहती है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बाबई चीचली ब्लॉक की विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। बताया जाता है कि निरीक्षण के दौरान बताया गया कि शिकायत मली की रायपुर टोला में दो बच्चों के माता-पिता को बार-बार समझाइश देने के बावजूद बच्चों को टीका नहीं लगाया जा रहा है। इस पर उन्होंने घर जाकर दोनों बच्चों के अभिभावकों को समझाइश दी और बच्चों को टीका लगाया गया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम चीकसा, इमलिया (कल्याणपुर), रायपुर टोला और मोहपानी में संचालित टीकाकरण कार्यक्रम का भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एएनएम एवं सीएचओ को निर्देशित किया कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला नियमित टीकाकरण से वंचित न रहे। वही छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सूची बनाकर टीका लगाया जाए। एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे गर्भवती महिलाओं की कम से कम 4 अनिवार्य प्रसव-पूर्व जांचें (एएनसी) समय पर करवाएं और उन्हें अस्पताल में ही प्रसव कराने के लिए प्रेरित करें। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चीचली के निरीक्षण के दौरान ओपीडी, वार्ड, दवा स्टोर और पैथोलॉजी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अनिल पटेल और संबंधित कर्मचारी मौजूद थे।

ईद त्यौहार को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिये गाडरवारा पुलिस थाने सहित सालीचौका में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा/ सालीचौका।

सभी धर्म के त्यौहारों को शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिये शासन शासन की अहिम जिम्मेदारी रहती है। इसी के चलते मुस्लिम भाईयों के ईद त्यौहार को भी शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिये बीते हुये बुधवार को स्थानीय पुलिस थाने में शांति समिति की बैठक आ आयोजन तहसीलदार प्रियंका नेताम व थाना प्रभारी अशोक सिंह चौहान की मौजूदगी में संपन्न हुई। इस बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे। इसी प्रकार से समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी में भी चौकी प्रभारी अभिषेख जैन द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। स्थानीय थाना परिसर में आयोजित हुई इस बैठक में मुस्लिम भाईयों के प्रमुख त्यौहार बकरा ईद को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपेक्षा जताई गई। वही बैठक में बताया गया कि सामूहिक नमाज ईदगाह में सुबह 7.30 बजे, जामा मस्जिद एवं छोटी मस्जिद में सुबह 8 बजे, फैजाने मदीना मस्जिद में सुबह 8.30 बजे ईद की नमाज अदा की जायेगी। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पेयजल पूर्ति सुबह 5 से चालू करने की गुजारिश प्रशासन से की गयी। नमाज के समय ईदगाह एवं जामा मस्जिद वाहनों का सुबह 9 बजे तक प्रवेश निषेध रहेगा। वही ईदगाह के समक्ष प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस बल राजस्व एवं नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहेंगे । नमाज के दौरान विद्युत आपूर्ति में किसी तरह की रूकावट न की जावे। वही नमाज के दौरान मस्जिदों के पास भी पुलिस बल तैनात रहेगा । नगर पालिका परिषद द्वारा भी साफ सफाई, चूने की लाईन, पानी के टैंकर की व्यवस्था की जाएगी। प्रशासन ने मुस्लिम समुदाय के लोगो से कहा कि कुर्बानी खाल एवं अन्य सामग्री व्यवस्थित जगह बफन करे । नगर में आपसी एकता भाईचारे के साथ ईद का पर्व सभी लोग मिल जुलकर मनाए। आयोजित हुई शांति समिति की बैठक में नगर पालिका के सभापति आनंद दुबे, सुरेंद्र गुर्जर , जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान, पूर्व अध्यक्ष महमूद पहलवान, समाजसेवी सर्वेश्वर पांडे ,सतीश कौरव सहित अनेको गणमान्य जन उपस्थित रहे। इसी प्रकार से समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी में संपन्न हुई शांति समिति की बैठक में भी जरूरी दिशा निर्देश देते हुये कहा कि जिस तरह सालीचौका नगर की सभी धर्मो के त्यौहार मिलजुलकर व भाईचारे के साथ मनाने की परम्परा रही है उसी को कायम रखते हुये इस त्यौहार को भी मनाया जावेगा। इस मौके पर सालीचौका चौकी प्रभारी अभिषेक जैन के आलवा आरक्षक करण सिंह ठाकुर, हरभजन सिंह, हरिशंकर पटवा, मुकेश कुमार, मनोज भारद्वाज, राजेन्द्र धाकड, विक्रम परमार, महिला आ, सोमवत्ती सहित नगर गणमान्यजनों में रामनारायण बडकुर, पराग तिवारी, दुर्गा प्रसाद पटेल, संतोष अग्रवाल, गनेश शर्मा, राजेश लोधी पत्रकार, भूरा भाईजान, ईशु भाईजान , गोपाल गोलंदाज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बालश्रम कानून का कागजों पर हो रहा है पालन, प्रशासन की अनदेखी के चलते आग की भट्टी के सामने काम करना मजबूरी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम हो रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है...? जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है, वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मगर आजादी के बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई, जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना, होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है। क्षेत्र में देखा जावे तो तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालयो में बच्चों के सही आंकड़ तक मौजूद नही है। वही देखा जावे तो गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी क्षेत्र के हजारों बच्चों का स्कूलों से नाता जुड़ नही पाया है, उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है, शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है जहां पर उन्हें स्कूली ड्रेस के साथ साथ भोजन पुस्तको सहित अन्य सामग्री प्रदान की जा रही है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित दिखाई पड़ रहे है। ग्रामीण अंचलों मे भोर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है, शासन द्वारा करोडो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका, इनका भविष्य अंधकार मय होता जा रहा है। गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाह कर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है? क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है? इसी के चलते अक्सर देखा जाता है कि बाहर से आये हुये मासूम बच्चे अनेक प्रकार के खेल दिखाते हुये अपना पेट पालने के मजबूर हो रहे है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा बच्चों का भविष्य बनाने के नाम पर हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाने के बाद भी मासूम बच्चों की जिन्दगी सुधरते हुये दिखाई नही दे रही है? ज्ञात हो कि बीते हुये कुछ माह पूर्व पुलिस प्रशासन द्वारा इस प्रकार से मासूम बच्चों को जोखिम भर काम करते हुये या फिर सड़को पर भीख मांगने वाले बच्चों की खोज करने के बाद उन्हे सुरक्षित करने के लिए मुहिम भी चलाई गई थी मगर पता नही वह मुहिम कुछ दिनों के उपरांत कहा गायब हो गई जिसके चलते अब मासूम बच्चे फिर जहां तहां दुकानों या फिर नगर के सार्वजनिक स्थलों पर अपनी जिन्दगी दाव पर लगाते हुये खेल दिखाने के लिए मजबूर होते हुये देखे जा रहे है।

गायत्री परिवार द्वारा नर्मदा घाट पर सफाई एवं जल साधना का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गायत्री परिवार द्वारा हरिद्वार शांतिकुंज के मार्गदर्शन में जल स्रोत सफाई अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान करते हुए माँ नर्मदा जी के पावन तट ककरा घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। बताया जाता है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा दशहरा के मौके पर प्रातः आठ बजे से दस बजे तक दो घंटे पचास साठ परिजनों द्वारा घाट पर फैले कचरे फूल, नारियल बूच, अगरवत्ती पन्नी, कागज सडे गले कपड़े बीनकर उचित निपटारा किया। इस दौरान सभी परिजन कचड़ा बीनने प्लास्टिक बोरी, बाल्टी,जाली, फावड़ा लेकर पहुंचे थे।

वही नर्मदा तट पर फैले हुये सारे कचड़े को दूर गड्ढे में दबा कर नष्ट किया। तत्पश्चात नर्मदा जल में बैठकर गायत्री मंत्र जप, चालीसा पाठ, नर्मदा स्रोत पाठ,मौन साधना की गई। घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं की बीच में प्रसाद वितरण के रूप में नुकती तथा मठा वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। सफाई कार्य में श्रमदान करने में जिला प्रतिनिधि विनोद श्रीवास्तव, भरत प्रजापति चिरहकला, राजेश कुमार कौरव ट्रस्टी सदस्य गायत्री शक्तिपीठ , ड्रां राजेंद्र दुबे, गीता प्रसाद कौरव तहसील समन्वयक,अखिलेश शर्मा, अभिषेक कौरव, राजेश शर्मा, ट्रस्टी सदस्य सुरेश गुप्ता, रजनीश राय, तुलसीकांत श्रीवास्तव ,राजा श्रीवास्तव, अश्विनी उर्फ अस्सी जैन , दुर्गेश, प्रदीप, शिवाय, सुनील सोनी के अलावा मात्र शक्ति से श्रीमती कल्पना कौरव, रमा गुप्ता , ट्रस्टी सदस्य मनोरमा श्रीवास्तव, नीलम धानुका, पूनम, रजनी, रेखा, कविता, अंजलि, स्वाति, आकांक्षा, जूही के आलवा नर्मदा तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गायत्री परिवार के सफाई अभियान,जन जागरण अभियान की सराहना करते हुए सहयोग तथा समर्थन दिया गया।

खबर संक्षेप

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का डिंडोरी आगमन आज

डिंडौरी । सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते का 28 मई, गुरुवार को डिंडोरी आगमन होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे दोपहर 12:00 बजे डिंडोरी पहुंचेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के पर आयोजित कार्यशाला एवं स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगें।

राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रसाद ने श्री कल्याण सेवा आश्रम में की संतों से चर्चा

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में एक महत्वपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मुलाकात का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रसाद ने आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज से भेंट कर क्षेत्र के विकास, धार्मिक पर्यटन और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान अमरकंटक की आध्यात्मिक पहचान को और सुदृढ़ करने, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा क्षेत्रीय विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा में यह भी रेखांकित किया गया कि अमरकंटक केवल एक तीर्थस्थल ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस अवसर पर उपस्थित संतजनों ने भी अपने विचार साझा करते हुए अमरकंटक के संतुलित एवं दीर्घकालिक विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में स्वामी हरस्वरूप जी महाराज एवं स्वामी धर्मानंद जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। संतों ने सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए सकारात्मक संवाद को उपयोगी बताया। इस अवसर का वातावरण आध्यात्मिक गरिमा, सौहार्द और जनकल्याण के संकल्प से ओतप्रोत दिखाई दिया।

ग्राम सिवनी संगम में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन कल

अनूपपर। तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम सिवनीसंगम में 29 मई को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के समुचित क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुष्पराजगढ़ को नोडल अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ को शिविर के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिविर में जन समस्या रजिस्टरध आवेदन रजिस्टर संधारित करते हुए प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों से जन समस्या निवारण शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

मेहंदवानी में गहराया जल संकट

बूंद-बूंद पानी को तरसे वनग्राम खमरिया के ग्रामीण

"हर घर जल" के दावों की खुली पोल, दो किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर ग्रामीण

डिंडौरी/शहपुरा। भीषण गर्मी के बीच मेहंदवानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखलोडी के वनग्राम खमरिया में पेयजल संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। पंचायत विभाग की लापरवाही और उदासीनता के चलते गांव के सैकड़ों ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को प्रतिदिन करीब दो किलोमीटर दूर पहाड़ी और घाट पार कर पानी लाना पड़ रहा है।

गांव के कुएं, बावड़ियां और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं। इसके

बावजूद पंचायत और जिम्मेदार विभाग द्वारा समय रहते कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो नियमित रूप से टैंकर भेजे गए और न ही खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई।ग्रामीणों ने पंचायत सचिव और संबंधित अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत और आवेदन देने के बावजूद केवल आश्वासन मिलता रहा, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पानी की समस्या के कारण पूरे गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है। दिनभर ग्रामीण पानी की तलाश में भटकते नजर आ रहे हैं, जबकि छोटे बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है।

मामले में सबसे बड़ा सवाल तब खड़ा होता है जब यह जानकारी सामने आई कि लोक

स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा वनग्राम खमरिया की पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए ग्राम पंचायत को करीब 10 लाख 66 हजार रुपए की राशि वर्षों पहले स्वीकृत की गई थी। इसके बावजूद गांव में आज तक स्थायी जल व्यवस्था नहीं बन पाई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि स्वीकृत राशि का सही उपयोग और समय पर कार्य कराया गया होता तो आज गांव को इस गंभीर संकट का सामना नहीं करना पड़ता।जल संकट से परेशान ग्रामीण बड़ी संख्या में जनपद पंचायत मेहंदवानी पहुंचे और पंचायत विभाग के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों ने तत्काल पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पंचायत भवनों में लटके मिले ताले, सचिव-सरपंच नदारद, ग्रामीणों में नाराजगी

मेहंदवानी जनपद की पंचायत व्यवस्था पर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग तेज

डिंडौरी/मेहंदवानी। मेहंदवानी विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बुधवार को ग्राम पंचायत पड़रिया, उमरिया और खजरवारा के पंचायत भवन बंद मिले, जहां कार्यालयों के मुख्य द्वार पर ताले लटके रहे। इस दौरान न तो पंचायत सचिव मौजूद मिले और न ही सरपंच अथवा अन्य कर्मचारी कार्यालय में दिखाई दिए।पंचायत भवन बंद मिलने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इन पंचायतों में यह स्थिति नई नहीं है, बल्कि आए दिन पंचायत कार्यालयों में ताले लटके रहते हैं और पंचायत का संचालन घरों से किया जाता है। इसके कारण आम लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते हैं।शिकायत मिलने के बाद जब मीडिया टीम मौके पर पहुंची तो पंचायत कार्यालय बंद मिले। पंचायत भवनों में जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति ने ग्रामीण प्रशासन व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवनों में नियमित रूप से अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित नहीं रहते, जिससे शासकीय योजनाओं से जुड़े कार्य समय पर नहीं हो पाते। कई बार ग्रामीण दूर-दराज से पंचायत पहुंचते हैं, लेकिन कार्यालय बंद मिलने से उन्हें निराश लौटना पड़ता है।

पंचायत भवन बंद तो ग्रामीण किसके सामने रखे अपनी समस्या?

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब पंचायत भवन ही बंद रहेंगे तो लोग अपनी समस्याएं किसके सामने रखें। एक ओर शासन ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन और पारदर्शिता के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मेहंदवानी जनपद की पंचायतों की स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनपद पंचायत मेहंदवानी से मांग की है कि पंचायतों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और लगातार लापरवाही बरतने वाले सचिवों एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह होगा कि मामला सामने आने के बाद प्रशासन इस पर कितना गंभीर रुख अपनाता है।

दो जनपदों का प्रभार संभाल रहे सीईओ, प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ रहा असर

मेहंदवानी जनपद की बदहाल व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि जनपद पंचायत सीईओ वर्तमान में दो जनपदों का प्रभार संभाल रहे हैं। ऐसे में दोनों जगह प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की व्यस्तता के कारण पंचायतों की नियमित मॉनिटरिंग नहीं हो पा रही, जिससे कई पंचायतों में अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। पंचायत कार्यालयों में कर्मचारियों की अनुपस्थिति और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में हो रही देरी को भी लोग इसी से जोड़कर देख रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से

खरीफ 2026 के लिए उर्वरकों की नई दरें जारी

डिंडौरी ।मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भोपाल द्वारा खरीफ सीजन वर्ष 2026 के लिए उर्वरकों की नगद विक्रय दरें निर्धारित कर दी गई हैं। जारी जानकारी के अनुसार निर्धारित दरों में भारत सरकार द्वारा लागू जीएसटी एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित कर शामिल हैं। यह दरें 1 अप्रैल 2026 से आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेंगी और किसानों को उर्वरकों का विक्रय निर्धारित दरों पर ही किया जाएगा।कृषि उपसंचालक कार्यालय डिंडौरी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार नीम कोटेड यूरिया 266.50 रुपए प्रति 45 किलोग्राम बोरी निर्धारित किया गया है। डीएपी की कीमत 1350 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बोरी तय की गई है। एसएसपी पाउडर 465 रुपए एवं एसएसपी दानेदार 505 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बोरी निर्धारित किया गया है।

इसी प्रकार विभिन्न श्रेणी के एनपीके उर्वरकों की दरें 1990 रुपए 1850 रुपए एवं 1450 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बोरी निर्धारित की गई हैं। पोटाश 1800 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बोरी रहेगा। बोरेनटेड एसएसपी पाउडर 470.75 रुपए एवं दानेदार 510.75 रुपए प्रति बोरी निर्धारित किया गया है। वहीं जिंक कोटेड एसएसपी पाउडर 465.75 रुपए एवं दानेदार 505.75 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बोरी तय किया गया है।जिंक सल्फेट 21 प्रतिशत की दर 898.06 रुपए प्रति 25 किलोग्राम 370.53 रुपए प्रति 10 किलोग्राम तथा 194.06 रुपए प्रति 5 किलोग्राम निर्धारित की गई है। जिंक सल्फेट 33 प्रतिशत की कीमत 1071.96 रुपए प्रति 25 किलोग्राम 440.30 रुपए प्रति 10 किलोग्राम तथा 229.11 रुपए प्रति 5 किलोग्राम तय की गई है।बोरॉन 14.5 प्रतिशत 84.28 रुपए प्रति 1 किलोग्राम 168.56 रुपए प्रति 2 किलोग्राम एवं 421.40 रुपए प्रति 5 किलोग्राम निर्धारित किया गया है। बेन्टोनाईट सल्फर 174.19 रुपए प्रति 5 किलोग्राम तथा 348.38 रुपए प्रति 10 किलोग्राम रहेगा। अमोनियम मोलिब्लेटेड 52 प्रतिशत की कीमत 165.19 रुपए प्रति 500 ग्राम 82.60 रुपए प्रति 250 ग्राम एवं 33.04 रुपए प्रति 100 ग्राम निर्धारित की गई है।तरल नैनो यूरिया 225 रुपए प्रति 500 मिलीलीटर एवं तरल नैनो डीएपी 600 रुपए प्रति 500 मिलीलीटर निर्धारित किया गया है। तरल फर्मेन्टेड ऑर्गेनिक मेन्योर की कीमत 2079 रुपए प्रति 25 लीटर 1386 रुपए प्रति 15 लीटर तथा 462 रुपए प्रति 5 लीटर तय की गई है। इसके अलावा अन्य उर्वरकों एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की दरें भी निर्धारित की गई हैं।कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रय केंद्रों से ही निर्धारित दरों पर उर्वरक खरीदें तथा खरीद के समय रसीद अवश्य प्राप्त करें। विभाग ने यह भी कहा है कि निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूले जाने अथवा किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना दें।

करंजिया में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर जारी, बच्चों में दिख रहा उत्साह

डिंडौरी । विकासखंड करंजिया में इन दिनों ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में बच्चे उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने के साथ उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।शिविर का संचालन विकासखंड समन्वयक लक्ष्मी बनावल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। वहीं प्रशिक्षक मयंक श्याम द्वारा बच्चों को विभिन्न खेलों की तकनीकी जानकारी और आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से बच्चों में खेल भावना अनुशासन और शारीरिक दक्षता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में भाग लेने वाले बच्चे खेल गतिविधियों के प्रति विशेष रुचि और उत्साह दिखा रहे हैं।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा

डिंडौरी । बुधवार को कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान किसान कल्याण एवं कृषि विकास, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, उद्योग विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, पुलिस विभाग, खनिज विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, जनजातीय कार्य, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वाटरशेड तथा खाद्य विभाग से संबंधित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, प्रधानमंत्री आवास योजना, सुशासन, लोक सेवा गारंटी, सीएम हेल्पलाइन, नल-जल योजना, कानून व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता एवं वितरण, जल गंगा संवर्धन अभियान तथा अवैध खनन की रोकथाम सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।मुख्य सचिव ने वनग्रामों में किसानों को पट्टा वितरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी में संलिप्त व्यापारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों एवं एजेंसियों पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया।कॉन्फ्रेंस के दौरान कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया डीएफओ भारती ठाकरे पुलिस अधीक्षक आशीष खरे सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी अपर कलेक्टर जेपी यादव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 28 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जनपद स्तरीय बीपीएमयू बैठक में जन शिक्षकों को दिये निर्देश

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस जनपद शिक्षा केन्द्र चॉवरपाठा में समस्त जनशिक्षकों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें एजेण्डा बार समस्त जनशिक्षकों जानकारी के साथ आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यू डाइस स्टूडेन्ड प्रमोशन की शालावार स्थिति की जानकारी कक्षा 1 से 8 तक का शालावार नामांकन निर्धारित प्रपत्र चाइल्ड ट्रेकिंग एप्प पर किये गये बच्चों के सत्यापन की समीक्षा टॉजीशन लॉस की छात्रवार प्रदाय की गई सूची में कारण सहित जानकारी पाठ्य पुस्तक वितरण के पश्चात पुस्तक हेतु शेष विद्यार्थियों की विषयवार जानकारी।सायकिल सत्यापन एवं चेचिस नम्बर की एन्ट्री की जानकारी। पुन परीक्षा 2026-27 पर चर्चा प्रवेश पत्र वितरण एवं शत प्रतिशत उपस्थिति के संबंध में जनशिक्षा केन्द्र अन्तर्गत जर्जर भवन डिस्मेन्टल योग्य भवन मरम्मत योग्य भवनों की जानकारी अलग अलग प्रपत्र में देने के साथ विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंडी भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में बुधवार को गोटेगांव तहसील के मौजा बौछार पटवारी हल्का नंबर 10 स्थित भूमि खसरा नंबर 190 रकवा 0.785 है, जिस पर मंडी निर्मित है, उस पर राजस्व विभाग के अमले के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। मौके पर तहसीलदार गोटेगांव नीरज तखरया, पुलिस बल और राजस्व विभाग का अमला मौजूद था।

प्रियांक कानूनगो का आगमन 2 को

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य प्रियांक कानूनगो 02 जून 2026 को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। आप दोपहर 03:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेंगे। इस निर्धारित भ्रमण का उद्देश्य मानवाधिकार और समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में क्रियान्वयन की स्थिति और जमीनी हकीकतों की व्यापक समीक्षा करना है।

व्यावसायिक शिक्षकों ने श्रम अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में पिछले एक दशक से सेवाएं दे रहे व्यावसायिक शिक्षकों का सब्र अब जवाब देने लगा है। सोमवार को नवीन व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक महासंघ जिला इकाई नरसिंहपुर के बैनर तले लगभग 40 व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर श्रम अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का नेतृत्व महासंघ के प्रदेश सचिव अंकित खरे एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता दीक्षित ने किया। व्यावसायिक शिक्षकों का दर्द है कि वे पिछले 10 वर्षों से विभाग में कार्यरत हैं, लेकिन आज तक उनके मानदेय में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की गई। इससे भी बड़ी पीड़ा यह है कि पहले इन्हें मिलने वाला मासिक एक आकस्मिक अवकाश भी विभाग द्वारा हटा दिया गया है। शिक्षकों ने देओ एवं श्रम अधिकारी को बताया कि अल्प मानदेय और सुविधाओं के अभाव में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। जिलाध्यक्ष श्रम अधिकारी ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों को आयुक्त कार्यालय, भोपाल तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही समस्याओं के शीघ्र निराकरण का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान जिला सचिव उत्तम डेहरिया, वैभव शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, कमलेश दुबे, यश राजपूत एवं जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चैधरी सहित जिले भर के व्यावसायिक प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

हटाए गए एंबुलेंस के जिला प्रबंधक

देर से ही सही पर कार्रवाई तो हुई

10 दिन बाद खुली प्रशासन की नींद, की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है जिसके लिए सरकार भरपूर राशि स्वीकृत कर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आतुर रहती है लेकिन प्रशासन के लापरवाह कर्मचारियों के कारण सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं केवल कागजों मे संचालित हो जाती है। ऐसा ही मामला जिले से सामने आया जिसमें खबर के बाद प्रशासन की नीद खुली और कार्रवाई करते हुए एंबुलेस के जिला प्रबंधक को हटाया गया। एम्बुलेंस सेवाओं में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं, मरीजों से अवैध वसूली और घोर प्रशासनिक लापरवाही की लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की सख्ती के बाद आखिरकार 108 सेवा के जिला प्रबंधक विजय रघुवंशी को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। सेवा संचालक कंपनी ने यह बड़ी कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कड़े पत्र के बाद मंगलवार देर शाम अमल में लाई है। उनके स्थान पर अब शुभम लिल्हारे को जिले की नई कमान सौंपी गई है।

सीएम ड्यूटी में लापरवाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दिनों मुंगवानी में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था में बेहद गंभीर चूक सामने आई थी। तय निर्देशों के बावजूद एम्बुलेंस निर्धारित समय से तीन घंटे की भारी देरी से कार्यक्रम स्थल पर पहुँची। इस गंभीर लापरवाही को लेकर प्रशासनिक हल्कों में भारी नाराजगी देखी गई, जिसके बाद सीएमएचओ द्वारा भोपाल स्तर पर सेवा प्रदाता कंपनी

हरिभूमि

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल ...सिस्टम का सितम या कर्मचारियों की लापरवाही

के खिलाफ कड़ा पत्राचार किया गया। जिस पर संज्ञान लेकर लापरवाही करने वाले जिम्मेदार पर कार्रवाई की गई। हालांकि लोगों द्वारा कवायत लगाई जा रही है कि कार्रवाई के बाद जिले में बेहतर एंबुलेंस सेवा मिल सकती है लेकिन यह बात भविष्य के गर्त मे समाई हुई है। क्योकि वर्षो से चली आ रही एंबुलेस चालकों की मनमानी एक झटके मे कैसे सुधर सकती है। जिले में 108 एम्बुलेंस सेवा की जमीनी स्थिति बेहद दयनीय बताई जा रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिले की करीब 80 प्रतिशत एम्बुलेंस तकनीकी खराबी की वजह से बंद पड़ी हैं। कहीं इंजन जवाब दे चुके हैं, तो कई वाहनों में आवश्यक जीवन रक्षक मेडिकल उपकरण, दवाएं और ऑक्सीजन तक उपलब्ध नहीं हैं। ग्रामीण अंचलों में स्थिति और भी ज्यादा भयावह है, जहां कई बार घंटों तक कॉल करने के बाद भी एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंचती। इसके कारण गर्भवती महिलाएं और गंभीर मरीज

समय पर चिकित्सालय नहीं पहुंच पा रहे हैं।

सेवाए ना मिलने से महिला की हुई थी मौत

बीते 10 दिन पूर्व जिला चिकित्सालय मे उपाचार हेतु लाई गई महिला को जिला चिकित्सालय के आईसीयू मे भर्ती किया गया था। जिसकी हालत बिगड़ने पर डाक्टरों द्वारा जबलपुर रेफर कर दिया महिला को आक्सीजन की आवश्यकता होने के कारण एम्बुलेंस में आक्सीजन सिलेंडर ना होने के कारण परिजन महिला को पीठ पर लाद कर ले गए थे। एंबुलेंस कर्मचारियों की संवेदनहीनता का एक बेहद दर्दनाक और शर्मनाक मामला बीती 16 मई को सामने आया था। सूरवारी निवासी एक बीमार वृद्धा को हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया गया था। आरोप है कि एम्बुलेंस कर्मियों ने निर्धारित प्रोटोकॉल का सरेआम उल्लंघन करते हुए वाहन को वार्ड से काफी दूर खड़ा कर दिया और ऑक्सीजन कम होने का बहाना बनाने लगे। कर्मचारियों के इस अड़ियल और संवेदनहीन रवैये से मजबूर होकर बेबस परिजनों को बुजुर्ग महिला को अपनी पीठ पर लादकर अस्पताल के मुख्य गेट तक ले जाना पड़ा था। समय पर सही उपचार न मिलने के कारण बाद में वृद्धा की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस हृदय विदारक घटना को लेकर मृतका के पुत्र ने कलेक्टर से लिखित शिकायत की थी।

एंबुलेस से पकड़ाया था सागौन

बीते दिनों जिले के बरहटा क्षेत्र मे एंबुलेंस से भारी मात्रा पर सागौन की जब्ती वन विभाग द्वारा की गई जिस पर चालक पर कार्रवाई हुई थी ऐसी मनमानी एंबुलेंस चालकों को निरंतर बनी हुई है। वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के बाद जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई ना होने के एंबुलेंस मे हो रहे कारोबार पर लगाम नही लग पा रहा है। प्रशासन को चाहिए की एंबुलेंस वाहनों की गहन से जांच की जावे जिससे एंबुलेंस मे होने वाले अवैध व्यापार पर रोक लग सके। एंबलेंस चालकों की मनमानी के कारण स्वास्थ्य विभाग की साख पर भी प्रश्नचिन्ह लगता है। पीड़ित मरीजों को सेवाए देने की अपेक्षा एंबुलेस चालक निजी लोगों के साथ मिलकर सागौन की तस्करी करते हुए पकड़ाए थे जो कि पूरी तरह नियम विपरीत है। एंबुलेंस को सागौन तस्करी का अच्छा साधन इसलिए माना गया कि उसकी जांच पड़ताल किसी भी विभाग द्वारा नही की जाती है और धड़ल्लेस से अवैध व्यापार चलता रहा।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 29 कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 29 मई को प्रातः 10:45 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

रेलवे स्टेशन में अव्यवस्थाओं को लेकर की शिकायत- हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले करेली रेलवे स्टेशन परिसर में बढ़ती अव्यवस्थाओं, शराबखोरी, अवैध वसूली और नाबालिग बच्चों से भीख मंगवाने जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने डीआरएम जबलपुर को शिकायत सौंपकर उच्चस्तरीय जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र में बताया गया कि इन दिनों करेली रेलवे स्टेशन परिसर में खुलेआम शराबखोरी और नशाखोरी का माहौल बना हुआ है।कई लोग स्टेशन परिसर में शराब पीकर गंदगी फैला रहे हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन परिसर में जगह-जगह कचरा फैला रहने से स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्टेशन परिसर में नाबालिग बच्चे भीख मांगते हुए दिखाई देते हैं। कई बच्चे नशे की हालत में नजर आते हैं, जो सामाजिक और मानवीय दृष्टि से बेहद चिंताजनक स्थिति है। इससे बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।इसके अलावा रेलवे स्टैंड पर कार्यरत कर्मचारियों पर निर्धारित नियमों के विरुद्ध वाहन चालकों से अवैध रूप से रुपए वसूलने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने कहा कि यात्रियों और वाहन चालकों से मनमाने तरीके से वसूली किए जाने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करेली रेलवे स्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप लगाया गया है कि निर्माण कार्य न केवल गुणवत्ताहीन हैं बल्कि तय समय सीमा में भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं।मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष भागीरथ तिवारी,पत्रकार सुनील पटेल ,गीत गोविंद पटेल आदि ने डीआरएम जबलपुर से मांग की है कि स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, नशाखोरी और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा भीख मांगने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाए। साथ ही अवैध वसूली और निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है।

कृषि रथ से किसानों को मिल रही जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि रथ ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती संबंधी जानकारी प्रदान कर रहा है। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने बताया कि जिले के ग्राम करपगांव, बटेसरा, भिंडवार, ढिलवार, मर्रावन, मदनपुर, सिलवानी, सिवनी, सूरजगांव, खमतरा, रौंसरा, बरमानकलां, हिरनपुर, गुरसी, चिरहकला, भटेरा एवं पलोहाबडा में कृषि रथ पहुंचा। कृषि रथ के पहुंचने पर किसानों ने उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दी। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था, अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों के संतुलित उपयोग,

जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण, पराली प्रबंधन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा खरीफ पूर्व खेत समतलीकरण संबंधी तकनीकी जानकारी दी। कृषि अधिकारियों ने मौके पर ही किसानों को एग्री स्टेक पोर्टल से खसरा जोड़ने एवं ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद एवं उर्वरक प्राप्ति हेतु ई-टोकन जनरेट करने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारीगण, कृषि विस्तार अधिकारी गौरव श्रीवास्तव, रामलाल मुलेवा, डीपी मेहरा, पूजा पाठक, प्रशांत मिश्रा, रमाकांत कौरव एवं देवेन्द्र छापरिया सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और कृषकगण मौजूद थे।

सीएमएचओ ने स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बाबई चीचली ब्लॉक की विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि रायपुर टोला में दो बच्चों के माता-पिता को बार-बार समझाइश देने के बावजूद बच्चों को टीका नहीं लगाया जा रहा है। उन्होंने घर जाकर दोनों बच्चों के अभिभावकों को समझाइश दी और बच्चों को टीका लगाया गया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम चीकसा, इमलिया (कल्याणपुर), रायपुर टोला और मोहपानी में

संचालित टीकाकरण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने एएनएम एवं सीएचओ को निर्देशित किया कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला नियमित टीकाकरण से वंचित न रहे। छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सूची बनाकर टीका लगाया जाए। एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे गर्भवती महिलाओं की कम से कम 4 अनिवार्य प्रसव-पूर्व जांचें (एएनसी) समय पर करवाएं और उन्हें अस्पताल में ही प्रसव कराने के लिए प्रेरित करें। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चीचली के निरीक्षण के दौरान ओपीडी, वार्ड, दवा स्टोर और पैथोलॉजी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अनिल पटेल और संबंधित कर्मचारी मौजूद थे।

योग महोत्सव कार्यक्रम से जुड़कर किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अंतर्गत बुधवार को आयोजित 25 वें काउंटडाउन कार्यक्रम का आयोजन विश्वप्रसिद्ध खजुराहो में किया गया। अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) एवं 50 बिस्तरीय एकीकृत आयुष चिकित्सालय परिसर में नियमित योगाभ्यास किया जा रहा है। खजुराहो में आयोजित काउंटडाउन से जुड़कर 25 वें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले में संचालित समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) एवं 50 बिस्तरीय एकीकृत आयुष चिकित्सालय परिसर में योगाभ्यास किया गया।

मुख्य सड़क किनारे मनमाने तरीके से लगाएं जा रहें विद्युत पोल

तेंदूखेड़ा। इन दिनों समीपी ग्राम मदनपुर में फोरलेन से एक फिट की दूरी पर साईड पट्टी पर ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के बड़ी लाइन के विधुत खंभा लगाएं जा रहें हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग से प्रतिदिन हाई स्पीड में हजारों वाहनों का आवागमन होता है और साईड पट्टी के समीप सड़क पर मोटरसाइकिल और भारी वाहन भी निकलते रहते हैं यदि सड़क से वाहन क्रासिंग के लिए थोड़ा भी साइड पट्टी पर उतरता है तो सीधा खंभा से टकराएगा और दुर्घटना का शिकार होगा एन एच आई अधिकारियों एक तरफ अतिक्रमण हटवाएं जा रहें हैं ।और अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं । लेकिन दूसरी तरफ खुलेआम मनमाफिक तरीके से फोरलेन सड़क पर खंभा लगाकर अतिक्रमण किया जा रहा है। मदनपुर वासियों का कहना है कि इससे यातायात भी प्रभावित होगा और आए दिन दुर्घटना होने की संभावना बनी रहेगी। अधिकारियों को जानकारी देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है और ठेकेदार मनमाने तरीके से कार्य करते रहते हैं।

पुराने तालाब सूखे और जिन तालाबों के निर्माण में लाखों खर्च किये वह भी सूखे पड़े

पेयजल को लेकर मची त्राही त्राही

तेंदूखेड़ा। इन दिनों विकास खंड चांवरपाठा क्षेत्र में पानी को लेकर गंभीर स्थिति बनीं हुई है। लगातार जमीनी जल स्तर काफी नीचे पहुंचता चला जा रहा है। प्राकृतिक जल स्रोतों के साथ ट्यूबवेल और हेडपंप के गड्ढों ने जबाव दे दिया है ऐसी स्थिति में लोग पेयजल और निस्तार के लिए पानी मवेशियों को पानी की व्यवस्था के लिए दो से चार हो रहें हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए शासन द्वारा लाखों करोड़ों रुपए खर्च करके नल जल योजनाओं के माध्यम से जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए पहल की गई थी वह ठेकेदारों की मनमानीपूर्ण कार्यप्रणाली के चलते केवल दिखावा ही साबित हो रही है। निर्धारित मापदंडों को ताक पर रखकर पानी की टंकी निर्माण के पूर्व ही डाली गई लाइन टूटी पड़ी हुई है।केवल स्टैंड पोस उपभोक्ताओं को मुंह चिढ़ा रहे हैं।तो पानी की टंकी तीन चार साल में बनकर तैयार नहीं हो पाई है। ट्यूबवेल के गड्ढों से पानी नहीं आ रहा है जैसी विभिन्न विसंगति पूर्ण स्तिथि के कारण संपूर्ण विकास खंड में पेयजल की स्थिति खराब बनीं हुई है।इस व्यवस्था को लेकर कुछ ग्रामों के लोगों ने मतदान करने से बना कर दिया है। और ग्राम

सभा में निर्णय लिये जा रहे हैं।

एक पट्टी पूरी पानी से अछूती

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर यह बनीं हुई है कि राजमार्ग क्रमांक 44 अमथनू से लेकर मानकपुर विजोरा बांसखेड़ा पीपरवानी पान घुघरी सिगोंटा रम्पुरा खमरिया ढिलवार मौआखेडा खकरैडी ब्रह्मनी मर्रावन इमलिया तक लगभग 45 गांवों में हर साल गर्मियों में पानी की गंभीर स्थिति निर्मित हो जाती है। यहां पर ना तो अभी तक पेयजलापूर्ति के स्थाई समाधान हुये और ना ही वेराज चिंनकी परियोजना के माध्यम से प्रथम फेस में कोई उचित पहल की गई है। यहां तक पिछले माह क्षेत्रीय किसानों ने एक आंदोलन के माध्यम से यह विषय प्राथमिकता से रखा था लेकिन केवल आश्वासन ही हाथ रहे।

नदियों पर नहीं बनें स्टाप डेम

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर बहने वाली पांडाझिर बरांझ सिन्दूर नदियों पर छोटे छोटे स्टाप डेम निर्माण के लिए लगभग तीन दशकों से मांग चली आ रही है लेकिन केवल चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वयं इस विषय को मूर्त रूप में लाने का भरोसा तो दिलाया जाता है लेकिन चुनाव परिणाम आने सरकार बन जाने के बाद विषय गूढ़ हो कर रह जाते हैं। यदि इन नदियों पर स्टाप डेम बन जाते तो निश्चित रूप से लगभग 30 से 40 गांवों में पानी की समस्या से निजात मिल जाता और जमीनी जल स्तर भी बढ़ जाता।हेंडपंपो से पानी भी आता रहता।

पानी को लेकर ग्रामीणों ने दिखाई एकजुटता

विगत दिनों समीपी ग्राम विजोरा में ग्राम के लोगों ने एक ग्राम सभा का आयोजन कर स्थाई रूप से पेयजल समस्या का जब-तक समाधान नहीं हो जाता है तब तक ना तो किसी चुनाव में भाग लेंगे और ना ही किसी नेता जनप्रतिनिधियों को गांव में बुलाया जायेगा।इस तरह की स्थिति से स्पष्ट हो जाता है कि लोग जीवन मूल्यों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु अब लामबंद हो रहे हैं।